परिशिष्ट 3

बंगाल के गवर्नर

(Governors of Bengal)

क्रम सं	काल	प्रमुख घटनाएं
1. राबर्ट क्लाइव (प्रथम प्रशासक)	1757-60	-अलीनगर की संधि (फरवरी 1757) -प्लासी-युद्ध (जून 23, 1757) -मीर जाफ़र बंगाल के नवाब बने -मीर कासिम भी बंगाल के नवाब बने
2. हॉलवेल	1760	-
3. वैंसीहार्ट	1760-65	-
4. राबर्ट क्लाइव (दूसरी बार)	1765-67	-
5. वेरसल्ट	1767-69	-
6. कार्टियर	1769-72	-
7. वारेन हेस्टिंग्स	1772-74	-

परिशिष्ट 4

बंगाल के गवर्नर-जनरल (रेग्युलेटिंग-एक्ट 1773 के आधार पर)

(Governors-General of Bengal – Based on Regulating Act of 1773)

क्र.सं.	नाम	काल	प्रमुख घटनाएं
1.	वारेन हेंस्टिंग्स	1774–85	• लगान एकत्रित करने के लिए नीलामी व्यवस्था (1772–77)। • 1781 में कलकत्ता मदरसा की स्थापना • 1784, विलियम जोन्स ने एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना की। • पिट्स इंडिया एक्ट, 1784 के अनुसार गवर्नर-जनरल की कौंसिल में 4 से 3 सदस्य किये गए, इग्लैंड में बोर्ड ऑफ कंट्रोल बनाया गया। • नदंकुमार हत्या को लेकर उनके विरुद्ध महाभियोग चलाया गया परंतु हाउस ऑफ लार्डस ने उन्हें छोड़ दिया।
2.	जान मेकफहरसन (कार्यवाहक)	1785–86	–
3.	लार्ड कार्नवालिस	1786–93	• तीसरे मैसूर- आग्ंल युद्ध के बाद श्रीरंगपट्टनम की संधि की (1792)। • बंगाल में स्थायी बंदोबस्त की शुरूआत, बाद में बिहार तथा उड़ीसा में शुरु की गई (1793)।

(जारी)

(जारी)

क्र.सं.	नाम	काल	प्रमुख घटनाएं
			• सिविल सेवा की शुरूआत (1793)।
			• न्यायिक सुधार प्रक्रिया की शुरुआत कलकत्ता, ढाका, पटना तथा मुर्शिदाबाद में कोर्ट की स्थापना व प्रशासनिक कर व्यवस्था को न्यायिक विभाग अलग किए।
			• पुलिस-सुधारी की शुरुआत।
4.	जॉन-शोर	1793-98	-
5.	लार्ड वेल्ज़ली	1798-1805	• सहायक संधि के लिए प्रसिद्ध-कंपनी ने हैदराबाद (1798), मैसूर (1719), अवध (1801) तथा पेशवा (1802) के साथ सहायक संधि भी की।
			• चौथा आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799) तथा टीपू सुल्तान की मृत्यु।
			• कलकत्ता में फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना 1800, जान गिलक्रिस्ट इसके मुख्यधीश बने।
6.	लार्ड कार्नवालिस (दूसरी बार)	1805	-
7.	जार्ज बारलो	-	-
8.	लार्ड मिटों प्रथम	1807-13	• महाराजा रंजीत सिंह (पंजाब) के साथ लाहौर-संधि (1809)।
			• 1813 का चार्टर एक्ट, जिसके आधार पर कंपनी का भारतीय चीनी व्यापार पर एकाधिकार समाप्त-कंपनी को एक लाख शिक्षा पर खर्च करने का प्रावधान।
9.	लार्ड हेंस्टिंग्स	1813-23	• आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814-16) सगोली की संधि से समाप्त हुआ तथा वे मार्क्वीसस बने।
			• तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-18), जिससे पेशवा के सभी अधिकार समाप्त तथा उन्हें बिठूर में निर्वासित किया गया [पेशवा बाजी राव (द्वितीय)]।
			• पूना को बाम्बे रेजिडेंसी का हिस्सा बनाया गया।
			• थामस मुनरो, 1820 में मद्रास प्रेसीडेंसी के

(जारी)

(जारी)

क्र.सं.	नाम	काल	प्रमुख घटनाएं
			गवर्नर बने तथा रैय्यतवाड़ी व्यवस्था प्रारंभ।
10.	लार्ड एमहर्स्ट	1823-24	• प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध (1824-26)
11.	लार्ड विलियम बैंटिक	1828-35	• सती प्रथा उन्मूलन कानून पास (1829) • ठगी प्रथा को समाप्त किया गया (1829-35) • 1833 के चार्टर एक्ट ने कंपनी का व्यापारिक अधिकार समाप्त किया। गवर्नर-जनरल की कौंसिल में विधि सदस्य की नियुक्ति; बंगाल के गवर्नर जनरल बने। • मैकाले अधिसूचना (1835) भारत में उच्च शिक्षा के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्यता।
12.	चार्ल्स मैहकाफ	1835-36	• भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता बहाल की।
13.	लार्ड आकलैंड	1835-42	• अफगानिस्तान को रूस और भारत के मध्यवर्ती राज्य बनाने के लिए प्रथम अफगान-आंग्ल युद्ध (1836-42) परंतु हार के कारण उन्हें वापस बुला लिया गया।
14.	लार्ड एलनबरो	1842-44	• प्रथम अफगान-आंग्ल युद्ध समाप्त (1842)। • चार्ल्स नेपियर ने सिंध विजय की (1843)।
15.	लार्ड हॉर्डिंग	1844-48	• प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध (1845-46) समाप्त, पंजाब की हार तथा लाहौर की संधि, 1846। • स्त्री-बाल हत्या तथा मानव बलि जो गोंड़ जाति में प्रचलित थी को समाप्त कियाद्ध।
16.	लार्ड डलहौजी	1848-56	'डाक्टराइन ऑफ लेप्स' या; व्यपगत सिद्धांत, के प्रयोग द्वारा सात राज्यों का अधिग्रहण किया- सतारा (1848), संभलपुर (1849), जैतपुर (1849), बगाट (1850), उदयपुर (1852), झांसी (1853) तथा नागपुर (1854)। • दूसरा आंग्ल-सिख युद्ध (1848-49) इस युद्ध के बाद पंजाब को ईस्ट इंडिया कंपनी के क्षेत्र में सम्मिलित कर लिया गया। • दूसरा आंग्ल-बर्मा युद्ध (1852) निचले बर्मा को शामिल किया गया।

(जारी)

(जारी)

क्र.सं.	नाम	काल	प्रमुख घटनाएं
			• बाम्बे तथा थाने के बीच पहली रेलवे सेवा (1853) पहली बेतारी-संचार सेवा-आगरा से कलकत्ता। • 1854 में पोस्ट तथा टेलीग्राफ एक्ट पास हुआ। • 1854 में पब्लिक वर्क्स विभाग खुला। • 1854 के वुड्स डिस्पेच ने शिक्षा में सुधार किया यह आधुनिक शिक्षा का मैग्नाकार्टा कहलाता है। सभी व्यक्तियों को शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य था। • अवध राज्य का हस्तांतरण व कंपनी क्षेत्र में विलय। • ईश्वरचंद्र विद्यासागर द्वारा विधवा पुनर्विवाह, कानून पारित, सरकार को सहयोग दिया। • संथाल विद्रोह (1855-56) राजमहल पर्वत क्षेत्र, सिद्ध तथा कान्हू इसके नेता थे।
17.	लार्ड कैनिंग	1856-58	• भारत में तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना बंबई, मद्रास तथा कलकत्ता प्रेसीडेंसियों में। • 1857 के विप्लव या विद्रोह की शुरूआत।